(7)

This question paper contains 4 printed pages]

DEC/2018

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7122**

Unique Paper Code : **62053306**

Name of the Paper : **Karyalayee Hindi**

Name of the Course : **B. A. (Prog.) Hindi CBCS**

Semester : **III**

DESHBANDHU COLLEGE
IC
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कार्यालयी हिंदी का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए उसके क्षेत्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी का अंतर स्पष्ट कीजिए। 15

2. कार्यालय से संबंधित ज्ञापन, आदेश तथा परिपत्र का, उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

P.T.O.

अथवा

कार्यालय परिसर की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए 'परिपत्र' का प्रारूप तैयार कीजिए। 15

3. प्रारूपण के प्रकारों का उल्लेख करते हुए उसकी विधि का वर्णन कीजिए।

अथवा

संक्षेपण की परिभाषा देते हुए उसकी प्रक्रिया का उल्लेख कीजिये। 15

4. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) कार्यालयी हिंदी का उद्देश्य

अथवा

(ख) अच्छे टिप्पण की विशेषताएँ 8

5. कार्यालय का एक कर्मचारी कभी भी बिना कारण बताए छुट्टी पर चला जाता है। इस विषय पर उसके लिए ज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

नीचे दिए गए गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :

अपने आप को हर घड़ी और हर पल पर-सेवा में लगा देने का नाम ही परोपकार है। सच्चा परोपकारी अपने किए उपकारों को नहीं याद रखता। परोपकार करना उसकी प्रकृति ही हो जाती है। पेड़ तो जमीन से रस ग्रहण करने में लगा रहता है। उसे यह ध्यान भी नहीं होता कि उसमें कितने फल या फूल लगेंगे

और कब लगेंगे। उसका काम तो अन्दर-ही-अन्दर बढ़ना, बिना कुछ हानि-लाभ का अनुभव किए सबको छाया देना, फल देना और तृप्ति देना है। उसे इस चिन्ता से क्या मतलब है कि कौन उसका फल खाएगा और कितने फल उसने लोगों को दिए। यही बात सच्चे परोपकारियों के साथ है। ऐसे व्यक्तियों के निर्माण के लिए कारखाने कायम नहीं हो सकते। वे जीवन के अरण्य में खुद-ब-खुद पैदा होते हैं। 7

6. (क) किन्हीं **पाँच** अभिव्यक्तियों का अनुवाद कीजिए : 5

(i) Carried forward

(ii) Deduction at source

(iii) Day to day administrative work

(iv) Issue reminder urgently

(v) Necessary notification as per draft

(vi) Please circulate and file

(vii) No decision has so far been taken in the matter

(viii) The proposal is self explanatory

(ix) Office may note it carefully

(x) I have the honour to say

(ख) किन्हीं **पाँच** पदावलियों का हिंदी अनुवाद कीजिए : 5

Audience, Bearer, Class Struggle, Complex, Contract, Currency, Direction, Dispatcher, Identify, Infrastructure.

(ग) किन्हीं **पाँच** का हिंदी प्रतिरूप लिखिए : 5

Ambassador, Gazetted Officer, Home Minister, Liaison Officer, University and Higher Education Section, Technical Development Section, Army Ordnance Department, Juvenile Court, Regional Training Institute, Central Secretariate.

(8)

DEC|2018

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : 7414

Unique Paper Code : 62051312 IC

Name of the Paper : Hindi A

Name of the Course : B.A. (Programme) Hindi : CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×7.5=15

(क) आद्रा नक्षत्र; आकाश में काले-काले बादलों की घुमड़, जिसमें देव-दुन्दुभी का गंभीर घोष। प्राची के एक निरभ्र कोने से स्वर्ण-पुरुष झाँकने लगा था—देखने लगा महाराज की सवारी। शैलमाला के अंचल में समतल उर्वरा-भूमि से सोंधी वास उठ रही थी। नगर-तोरण से जयघोष हुआ, भीड़ में गजराज का चामरधारी शुण्ड उन्नत दिखाई पड़ा। वह हर्ष और उत्साह का समुद्र हिलोरें भरता हुआ आगे बढ़ने लगा।

अथवा

सफलता और चरितार्थता में अन्तर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडम्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता

P.T.O.

प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए नि:शेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अन्ध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्व-निर्धारित, आत्म-बन्धन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है।

(ख) अँधेर नगरी अनबूझ राजा।
टका सेर भाजी टका सेर खाजा।।
नीच ऊँच सब एकहि ऐसे।
जैसे भँडुए पंडित तैसे।।
कुल-मरजाद न मान बड़ाई।
सबै एक से लोग-लुगाई।।
जात-पाँत पूछै नहिं कोई।
हरि को भजै सो हरि का होई।।
वेश्या जोरू एक समाना।
बकरी गऊ एक करि जाना।
साँचे मारे मारे डोलैं।

अथवा

तुम नेता होने जा रहे हो या कोई मजाक है? जानते नहीं, नेता लोग कभी अपने परिवार के बारे में नहीं सोचते; वे देश के, सम्पूर्ण राष्ट्र के बारे में सोचते हैं। तुम्हें मेरे आदेश के अनुसार चलना होगा। जानते हो, मैं तुम्हारी स्रष्टा हूँ, तुम्हारी विधाता।

2. उपन्यास की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

निबन्ध के विकास को स्पष्ट कीजिए।

3. 'मलबे का मालिक' कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

मधूलिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

निबंध के तत्वों के आधार पर 'उत्साह' निबंध की समीक्षा कीजिए।

5. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अँधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'घीसा' पाठ का सार लिखिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 12

(क) भारतेन्दुयुगीन गद्य साहित्य की विशेषताएँ

(ख) नई कहानी।

(9)

DEC|2018

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY
IC
Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **7415**

Unique Paper Code : **62051313**

Name of the Paper : **हिंदी भाषा और साहित्य**

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi B CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

हिंदी कहानी के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए।

2. 'उसने कहा था' कहानी के कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'गुंडा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'सदाचार का ताबीज' व्यंग्य की दृष्टि से एक आदर्श रचना है।' स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' निबंध के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'बिबिया' के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

5. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10

(क) उसी समय समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र-बल के सामने झुकते देखकर काशी के विच्छिन्न और निराश नागरिक जीवन ने, एक नवीन सम्प्रदाय की सृष्टि की—वीरता जिसका धर्म था। अपनी बात पर मिटना, सिंह-वृत्ति से जीविका ग्रहण करना, प्राण-भिक्षा माँगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे हुए प्रतिद्वंद्वी पर शस्त्र न उठाना, सताए निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें लोग काशी में गुंडा कहते थे।

(ख) ''चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूं तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े—संगीन देखते ही मुंह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था—चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था। पीछे जनरल साहब ने हट आने का कमान दिया नहीं तो....''

(ग) सेत सेत सब एक से, जहां कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में, कबहूँ न कीजै बास।।
कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहां न नेकु विवेक।।
बसिए ऐसे देस नहीं, कनक-वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुःख पाइए, प्रान दीजिए रोय।।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) संस्मरण

(ख) उपन्यास के तत्व

(ग) नाटककार भारतेंदु।